

आगमन - निगमन विधि

शिक्षण सूत्र -



(i) उदाहरण → नियम / सिद्धांत / सामान्यकरण



(ii) प्रत्यक्ष → प्रमाण



(iii) मूर्त → अमूर्त



(iv) विशिष्ट → सामान्य

आगमन विधि - इस विधि में बच्चों को पहले एक उदाहरण दिया जाता है, उसके बाद नियम / सूत्र / सिद्धांत का प्रतिपादन किया जाता है।

आगमन विधि के सीपान :- 5 सीपान

- ① उदाहरण
- ② अवलोकन
- ③ सामान्यीकरण
- ④ परीक्षण
- ⑤ सत्यापन

गुण - ① बाल केंद्रित

② मनीर्वेज्ञानिक

③ शिक्षण की सर्वोत्तम विधि मानी जाती है।

④ उच्च प्राथमिक स्तर की कक्षाओं के लिए सर्वाधिक उपयुगी।

⑤ गणित विषय के लिए उपयुक्त विधि।

⑥ अवलोकन चिंतन पर आधारित विधि।

दोष - समय व श्रम अधिक लगता है।

- इसमें अभ्यास कार्य नहीं कराया जाता है।

निगमन विधि :-

- यह आगमन विधि के विपरीत इस विधि में शिक्षक बच्चों की समस्याओं को हल करने के लिए एक नियम/सिद्धांत बताता है और बच्चे उसका प्रयोग कर प्रश्न हल करता है।

शिक्षण सूत्र - आगमन के विपरीत

गुण - ① स्मरण शक्ति का विकास

② समय व श्रम कम लगता है।

③ इसमें अभ्यास कार्य अधिक होता है।

④ संक्षिप्त व सरल विधि।

दोष - ① अमनीवैज्ञानिक विधि

② रगने पर अधिक बल

③ कक्षा के वातावरण को नीरस बनाती है।

Note - आगमन-निगमन दोनों विधियों का प्रयोग एक साथ गणित में किया जाये तो यह सबसे अच्छी विधि होती है।

कलात्म
ACADEMY